जागरण

पर्दे के पीछे चल रहा शराब बिक्री का खेल

Publish Date:Fri, 08 May 2020 09:00 AM (IST)

गिरिडीह : बड़ी महंगी हुई शराब कि थोड़ी-थोड़ी पीया करो..पंकज उदास के गाए इस गजल की पंक्ति शराब के शौकीनों पर इस लॉकडाउन में फिट बैठ रही है। लॉकडाउन के कारण शराब के ठेकों पर एक महीने से ताला लटका हुआ है। हालांकि यह आधी हकीकत है क्योंकि पिछले दरवाजे से ठेका संचालक शराब की विभिन्न ब्रांडों को चोरी-छिपे निकालकर बेच रहे हैं। इस चोरी-छिपे बिकनेवाली शराब के विभिन्न ब्रांडों की खरीदारी ढ़ाई से तीन गुणा अधिक दामों पर की जा रही है।

इससे सरकार को राजस्व की भी क्षति हो रही है। सरकारी शराब की दुकानों में लॉकडाउन के पहले की स्टॉक व वर्तमान की स्टॉक जांच करने से शराब दुकानों के बंद रहने या नहीं रहने का खुलासा हो जाएगा। लाइसेंसधारी या दुकान संचालक दुकान बंद रहने के बाद भी शराब के ठेके के इर्द-गिर्द घूमते रहते हैं। चोरी-छिपे शराब लेने आनेवालों को दुकान से चंद कदम की दूरी पर छुपाकर रखी गई शराब ऊंची कीमत पर मुहैया करा दी जाती है।

ऊंचे दामों पर बिक रही नकली शराब : शराब के शौकीन इन दिनों खुलेआम शराब नहीं मिलने के कारण ढाई गुणा ऊंचे दामों पर शराब की खरीदारी कर रहे हैं। यह शराब असली है या नकली इसकी भी उन्हें कोई जानकारी नहीं है।

शाम ढलते ही मंडराने लगते शराब के शौकीन : लॉकडाउन के साथ ही शराब की दुकानें बंद तो हो गईं लेकिन शराब पीने के शौकीन इसकी खरीदारी करने को अपनी जुगत लगाने में पीछे नहीं रहे। शाम होते ही ऐसे लोग शराब की खरीदारी करने को लेकर ठेका के आसपास से लेकर कुछ चुनिदा स्थानों पर मंडराने लगते हैं।

जिले में संचालित हैं 52 दुकानें : जिले में 52 सरकारी शराब दुकानों को विभिन्न स्थानों पर संचालित करने को लेकर लाइसेंस नवीकरण व बंदोबस्ती कर चालू किया गया था। विदेशी शराब दुकान, कंपोजिट शराब दुकान व देसी शराब दुकान शामिल हैं। फिलहाल लॉकडाउन के कारण इन शराब के ठेके पर बाहर से ताला लटका हुआ है।

22 दुकानों की चल रही बंदोबस्ती प्रकिया : जिले में 22 सरकारी शराब दुकानों की और बंदोबस्ती की जानी है। इसकी बंदोबस्ती की प्रक्रिया विभागीय स्तर पर चालू की गई थी लेकिन लॉकडाउन के कारण प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। ऐसे में लॉकडाउन हटने के बाद कंपोजिट शराब, विदेशी शराब व देसी शराब की 22 दुकानों को बंदोबस्त करने का कार्य पूर्ण किया जाएगा।

जानकर भी पुलिस अनजान : इस लॉकडाउन की अवधि में अनेक स्थानों पर शराब की बिक्री हो रही है, लेकिन पुलिस जानकर भी अनजान बनी हुई है। जानकारी होने के बावजूद इस पर रोक लगाने की दिशा में कोई विशेष पहल नहीं किया जाता है। नतीजतन कई स्थानों पर शाम ढलते ही मयखाने सजने लगते हैं और लोगों की भीड़ शराब का स्वाद चखने को जुटने लगती है।

- वर्जन

कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव को लेकर लगे लॉकडाउन के कारण लाइसेंसी शराब दुकान एक माह से अधिक समय से बंद हैं। चोरी-छिपे शराब शराब की खपत किए जाने की जानकारी नहीं है। वैसे उत्पाद विभाग शराब दुकानों पर पैनी नजर रख रहा है ताकि शराब की बिक्री न हो सके और लॉकडाउन व सरकार के निर्देश का पालन हो सके।

अवधेश कुमार सिंह, उत्पाद अधीक्षक।

Posted By: **Jagran**

Source: https://www.jagran.com/jharkhand/giridih-wine-market-20252895.html